अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : चतुर्थ – जैन धर्म मध्यमा (परीक्षा 29 जुलाई, 2018)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) संक्षिप्त प्रतिक्रमण का पाठ है-

(क) इच्छामि णं भंते (ख) इच्छामि ठामि

(ग) आगमे तिविहे (घ) दंसण समकित ( )

(b) साधु-साध्वीजी के संयम रूप यात्रा की समाधि (साता) पूछकर अविनय आशातना के लिए क्षमायाचना करने का पाठ है -

(क) तस्स धम्मस्स का पाठ (ख) तस्स सव्वस्स का पाठ

(ग) इच्छामि खमासमणो का पाठ (घ) इच्छामि ठामि का पाठ ( )

(c) मोटी (स्थूल) चोरी का त्याग करना श्रावक का अणुव्रत है -

(क) पहला (ख) तीसरा

(ग) पाचवाँ (घ) सातवाँ ( )

(d) ऊँची, नीची, तिरछी दिशाओं में गमनागमन की मर्यादा किस व्रत से की जाती है -

(क) आठवाँ (ख) पाँचवाँ

(ग) छठा (घ) बारहवाँ ( )

(e) दर्शन मोहनीय की प्रकृतियाँ हैं -

(क) 28 (ख) 2

(ग) 9 (घ) 3 ( )

(f) संज्वलन कषाय में मरने वाला जीव किस गति में जाता है-

(क) देवगति (ख) मनुष्य गति

(ग) तिर्यंचगति (घ) उपर्युक्त सभी में ( )

(g) मेघरथ का जीव किस महारानी की कुक्षि में उत्पन्न हुआ -

(क) प्रियमति (ख) अचिरा

(ग) त्रिशला (घ) सुमंगला ( )

(h) 'मेरे अन्तर भया प्रकाश' प्रार्थना के रचयिता हैं -

(क) आचार्य हीरा (ख) मुनि गौतम

(ग) आचार्य हस्ती (घ) उपाध्याय श्री मान ( )

(i) बर्फ मिलाकर ठंडा किया आमरस बर्फ गलने से कितनी घड़ी तक सचित्त रहता है-

(क) 2 घड़ी (ख) 1घड़ी

(ग) 3 घड़ी (घ) 5 घड़ी ( )

(j) 'वस्तु में मिलावट करना' किस व्रत का अतिचार है-

(क) तीसरे (ख)दूसरे

(ग) पाँचवें (घ) सातवें ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) दर्शन समकित के पाँच अतिचार होते हैं। ( )

(b) मुखरी वचन बोला हो, दसवें व्रत का अतिचार है। ( )

(c) चउवीसत्थव तीसरा आवश्यक है। ( )

(d) संवर करने और 14 नियम ग्रहण करने का पाठ दसवाँ देशावगासिक व्रत का पाठ है। ( )

(e) अनन्तानुबंधी क्रोध पर्वत की दरार के समान है। ( )

(f) ईर्ष्याभाव मनुष्यायु बन्धने का कारण है। ( )

(g) 'आओ भगवन आओ' प्रार्थना में मोह को निराकृत करने की प्रेरणा है। ( )

(h) 'मेरे अन्तर भया प्रकाश' प्रार्थना में ममता से संताप उठाने के बारे में कहा गया है। ( )

(i) अग्नि पर छोंकते ही नीचे उतारी गई मोगरी पूर्ण रूप से अचित्त न होने पर भी सचित्त के त्यागी के लिए ग्रहण करने योग्य है। ( )

(j) शंख तेइन्द्रिय जाति का जीव है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मेरा एक अतिचार सदारमंतभेए है। .....

(b) मैं सातवाँ कर्मादान हूँ। .....

(c) मैं 25 गुणों से युक्त हूँ। .....

(d) मेरे द्वारा कायोत्सर्ग करने की प्रतिज्ञा की जाती है। .....

(e) मेरी जघन्य स्थिति 12 मूहूर्त्त है। .....

(f) मैं उपयोग का 12वाँ भेद हूँ। .....

(g) मेरा पुत्र मेघरथ है। .....

(h) मेरा अपर नाम गजेन्द्र है। .....

(i) सेल्यूलर फोन, मोबाईल फोन से मेरी विराधना होती है। .....

(j) मैं लोकालोकव्यापी अनन्त प्रदेशी हूँ। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **चौथे स्थूल के दो अतिचार लिखिए।**

.....

.....

(b) **तस्स धम्मस्स का पाठ लिखिए।**

.....

.....

(c) **चार छेद-सूत्रों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(d) **ग्यारहवाँ प्रतिपूर्ण पौषध व्रत के कोई दो अतिचार लिखिए।**

.....

.....

(e) **कर्मादान का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(f) **दर्शनावरणीय कर्म की प्रकृतियाँ लिखिए।**

.....

.....

(g) **अनन्तानुबंधी कषाय में मरने वाला जीव किस गति में जाता है ?**

.....

.....

(h) **प्रत्येक प्रकृतियों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(i) **छः संस्थानों के नाम लिखिए।**

.....

.....

(j) **शांतिनाथजी का नामकरण कैसे हुआ ?**

.....

.....

(k) **शांतिनाथजी के पुत्र का क्या नाम था ? पुत्र का पूर्वभव का नाम भी लिखिए।**

.....

.....

(l) **वनस्पतिकायिक जीवों के भेद लिखिए।**

.....

.....

(m) **पृथ्वीकाय की विराधना किस कारण से होती है ?**

.....

.....

(n) **तेइन्द्रिय जीवों के नाम लिखिए।**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **ग्यारह अंग के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(b) **सिद्ध भगवान के आठ गुण लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(c) **दूसरे व्रत के अतिचार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **क्षमापना का पाठ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(e) **छः आवश्यकों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

अरिहंतो महदेवो.....

.....

.....

.....**समत्त सद्दहणा।।**

(g) **नरकायु बंध के कारण लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **ओघ संज्ञा को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **श्रावक का पहला मनोरथ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **चौदह नियमों का चिन्तन करने से क्या लाभ होता है ?**

.....

.....

.....

.....

(k) **शांतिनाथजी के जन्म का वर्णन कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(l) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

निज को.....

.....

.....

.....**बिठलाओ।।**

(m) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

इस जग.....

.....

.....

.....**वह पाश।।**

(n) **मनः पर्यव ज्ञान को परिभाषित कीजिए।**

.....

.....

.....

.....